कृषि कुंभ (अक्टूबर, 2023),
खण्ड 03 भाग 05, पृष्ठ संख्या 53–55

कपास की खेती के प्रमुख कीट एवं उनका नियत्रंण

विशाल
एमएससी (एजी.) कृषि विज्ञान
शुआट्स, प्रयागराज उ.प्र. भारत।
Email Id: vjaat431@gmail.com

परिचय

कपास भारतवर्ष की एक प्रमुख फसल है। औद्योगिक एवं निर्यात की दृष्टि से कपास भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भुमिका निभाता है। भारत में कपास का उत्पादन 343.47 लाख गाँठे व क्षैत्रफल 130.61 लाख हैक्टेयर 2022–2023 में हुई। बी. टी. कपास से भारत में उत्पादन लक्ष्य व वास्तविक उत्पादन के अंतर को काफी हद तक कम किया है । कपास उत्पादन में प्रमुख राज्य क्रमशः गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आन्ध्र प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, पंजाब, मध्य प्रदेश, और राजस्थान है। कपास का न्यूनतम समर्थन मूल्य मध्यम रेशे कपास के लिए 6620 रूयए प्रति क्विंटल ओर लंबे रेशे कपास के लिए 7020 रुपये प्रति क्विंटल है।

कपास के कीट

1. अमेरिकन बॉलवॉर्मः

वैज्ञानिक नामः हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा

कीट की क्षति अवस्थाः लार्वा

लक्षण : लार्वा पत्तियों, चौकों, फूलों और छोटे बीजकोषों को खाता है द्य लार्वा शुरू में पत्तियों को खाता है और बाद में अपने सिर को अंदर धकेल कर वर्गाकारध्गुच्छे में घुस जाता है और अपने शरीर के बाकी हिस्से को बाहर छोड़ देता है। प्रभावित बॉल्स के आधार पर बड़े, गोलाकार छेद दिखाई देते हैं और बोर होल के बाहर उत्सर्जित कीट–मल की उपस्थिति होती है। एकल लार्वा 30 – 40 फलदार रूपों/बीजकोषों को नुकसान पहुंचा सकता है। प्रभावित वर्गों और बीजकोषों का झड़ना।

ईटीएलः प्रति पौधा 1 अंडा या 1 लार्वा

प्रबंधनः फेरोमोन ट्रैप :– 6 प्रति एकड़, इमामेक्टिन बेंजोएट 5%, एसजी :– 0. 5 ग्राम/लीटर पानी

2. गुलाबी सुंडी:

वैज्ञानिक नाम: पेक्टिनोफोरो गॉसीपिएला

कीट की क्षति अवस्था: लार्वा

लक्षण: लार्वा फूलों की कलियों, फूलों को खाते हैं और कपास के बीजकोषों में छेद कर देते हैं। गुलाबी इल्ली के आक्रमण का विशिष्ट लक्षण है ''रोसेटेड फूल''। लार्वा फूलों के हिस्सों को खाता है और प्रभावित फूल नहीं खुलते यानी अंधे फूल द्यबीज के दानों के अंदर लार्वा के भोजन के कारण खोदे गए छेद लार्वा के मलमूत्र से बंद हो जाते हैं। यह लिंट के माध्यम से बीजकोषों में छेद करता है और कपास के बीजों को खाता है। संक्रमित कलियों और अपरिपक्व बीजकोषों का समय से पहले गिरना। बीज नष्ट हो जाते हैं तथा रोयें का रंग फीका पड़ जाता है।

ईटीएल: 10% क्षतिग्रस्त फूल या बीजकोष

प्रबंधन:

फेरोमोन ट्रैप :– 6 प्रति एकड़, क्लोरैंट्रानिलिप्रोल (10%) + लैम्बडासाइहलोथ्रिन (5%) ZC :– 0.5 मिली/लीटर पानी, क्लोरपाइरीफोस 50%+ साइपरमेथ्रिन 5% ईसी :– 2 मिली/लीटर पानी, प्रोफेनोफॉस 50% ई.सी :– 1.5–2 मिली/लीटर पानी

3. सफेद मक्खी

वैज्ञानिक नाम: बेमिसिया टैबासी

कीट की क्षति अवस्था: निम्फ और वयस्क

लक्षण: पत्ती के ऊतकों का अनियमित पीलापन (क्लोरोटिक धब्बे)। गंभीर संक्रमण के कारण समय से पहले पत्ते झड़ जाते हैं। मधुमय स्राव के कारण कालिखयुक्त फफूंद का विकास। इसके कारण बीजकोष खराब रूप से खुलते हैं और प्रभावित कलियाँ और बीजकोष झड़ जाते हैं। यह कपास में '' लीफ कर्ल वायरस '' रोग फैलाता है ।

ईटीएल: 5 – 10 निम्फ/पत्ती

प्रबंधन: इमिडाक्लोप्रिड 17.8%

एस.एल :– 1–2 मि.ली./लीटर पानी, एसिटामिप्रिड 20%

एसपी :– 0.1 – 0.2 मिली/लीटर , क्लोरपाइरीफोस 50% + साइपरमेथ्रिन 5% ईसी :– 2 मिली/लीटर पानी

4. जैसिड/ फुदका

वैज्ञानिक नाम: अमरस्का बिगुट्टुला

कीट की क्षति अवस्था: निम्फ और वयस्क

लक्षण: शिशु और वयस्क पत्तियों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तियां पीली पड़ जाती हैं। पत्तियों के किनारों का नीचे की ओर मुड़ना और लाल होना शुरू हो जाता है। गंभीर संक्रमण की स्थिति में, प्रभावित पत्तियां कांस्य या ईंट जैसे लाल रंग की हो जाती हैं, जो आमतौर पर ''हॉपर बर्न'' लक्षण दिखाती हैं। इससे फसल की वृद्धि रुक जाती है।

ईटीएल: प्रति पत्ती 1 निम्फध्वयस्क या खेत में 25% पौधों में पौधे के मध्य से ऊपरी भाग तक पीलापन और कर्लिंग लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रबंधन :– थियामेथोक्सम 25% डब्लूजी :– 0.5 ग्राम/लीटर पानी, इमिडाक्लोप्रिड 17.8%

एस.एल :– 0.25 मिली/लीटर पानी, फ्लोनिकैमिड 50 डब्ल्यूजी :– 0.3 – 0.4 ग्राम/लीटर पानी

5. थ्रिप्स

वैज्ञानिक नाम: थ्रिप्स टेबासी

कीट की क्षति अवस्था: निम्फ और वयस्क

लक्षण :– निम्फ और वयस्क ऊतकों को खुरचते हैं और पत्तियों की बाह्य त्वचा से रस चूसते हैं। इससे पत्तियाँ सिकुड़ जाती हैं और मुड़ जाती हैं। पत्तियों की निचली सतह पर चांदी जैसी चमक देखी जा सकती है। यह कीट कपास में 'तम्बाकू स्ट्रीक वायरस' का भी वाहक है।

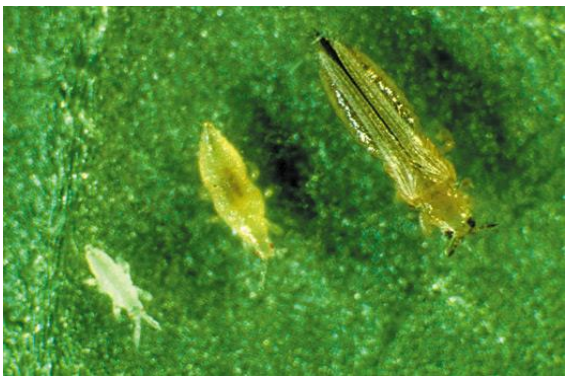

ईटीएल: प्रति पत्ती 1 निम्फ/वयस्क

प्रबंधन :– थियामेथोक्सम 25% डब्लूजी :– 0.4 ग्राम/लीटर पानी, कार्बोसल्फान 25% ई.सी :– 2.5 मिली/लीटर पानी, क्लोरपायरीफॉस 50%. साइपरमेथ्रिन 5% ईसी :– 2 मिली/लीटर पानी।